अब सोलर ड्रायर से सुखाएं खाद्य पदार्थ

एमओयू पर वीपीकेएएस और हिमालयन हाईटेक नर्सरीज के हस्ताक्षर

संवाद न्यूज एजेंसी

अल्मोड़ा। विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (वीपीकेएएस) ने मैसर्स हिमालयन हाईटेक नर्सरीज, 85 सुभाषनगर हल्द्वानी (नैनीताल) के साथ 'वीएल सोलर ड्रायर' के निर्माण के लिए शुक्रवार को समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। एक 'वीएल सोलर ड्रायर' की कीमत 12250 रुपये (बिना पैकिंग) और 12750 रुपये (पैकिंग सहित) है।

पर्वतीय क्षेत्रों में विभिन्न कृषि उत्पाद, खाद्य पदार्थों को अधिकतर खुले में सुखाया जाता है। कृषि उत्पाद और खाद्य पदार्थों के पारंपरिक विधि से सुखाते समय पक्षियों, कीटों, बंदरों और अप्रत्याशित वर्षा से काफी नुकसान होता है। बंदरों का आतंक काफी बढ़ने के कारण यह नुकसान बहुत अधिक हो रहा है। इस समस्या के समाधान के लिए वीपीकेएएस ने 'वीएल सोलर ड्रायर' विकसित किया है। सोलर ड्रायर एक ऐसी प्रणाली है जो सौर ऊर्जा के उपयोग से विशेष रूप से खाद्य पदार्थों को सुखाती है। अच्छी बात यह है कि

अल्मोड़ा में एमओयू पर हस्ताक्षर करते दोनों संस्थानों के अधिकारी।

इसमें बिजली आपूर्ति की जरूरत नहीं होती। पॉलीकार्बोनेट शीट से बना यह सोलर ड्रायर आसानी से नहीं टूटता। सोलर ड्रायर के ऊपरी हिस्से पर सोलर चालित निकास पंखा (एक्जॉस्ट फैन) लगा है। ड्रायर को एक स्थान से दूसरे स्थान पर आसानी से ले जाने के लिए इसके निचले भाग पर पहिये लगे हैं। ड्रायर में तीन ट्रे हैं, जिनकी क्षमता सामग्री अनुसार पांच से 20 किलो प्रति बैच है। इस ड्रायर का उपयोग कृषि सामग्री, उत्पाद, खाद्यों और गीले प्रसंस्कृत खाद्य सामग्री जैसे कि बड़ियां, अनाज, मशरूम, मेथी की पत्तियां आदि को सुखाने के लिए किया जाता है। यह ड्रायर उन सीमांत और गरीब किसानों के लिए बहुत उपयोगी होगा जो अपने कृषि उत्पादों के परीक्षण के लिए हाईटेक सुविधाएं, उपकरण नहीं जुटा पाते हैं। सुखाए गए उत्पाद को किसान बेमौसम में ऊंची कीमतों पर बेच सकते है। किसानों के साथ ही यह घरेलू प्रयोग के लिए भी काफी उपयोगी सिद्ध हुआ है, क्योंकि पारंपरिक विधि की तुलना में सोलर ड्रायर में खाद्य सामग्री को सूखने में काफी कम समय (दो से तीन दिन) लगता है, जबकि धूप में सुखाने में सात-आठ दिन लग जाते हैं। सोलर ड्रायर में खाद्य पदार्थों का स्वाद, रंग, सुगंध, महक एवं पोषकता कायम रहती है। इसके परिचालन, रखरखाव का खर्च नगण्य है।

बीएससी स्ववित्तपो

अल्मोड़ा। एसएसजे परिसर अल्मोड़ा बीएससी की सीटों पर धांधली की शि परिसर प्रशासन की ओर से पांच सदस गठित कर दी गई है। कमेटी को एक मा तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। क निदेशक कार्यालय को उपलब्ध कराएगी

एसएसजे परिसर में पिछले दि स्ववित्तपोषित सीटों पर छात्रों ने धांधली था। उन्होंने परिसर निदेशक को ज्ञापन जांच की मांग की थी। इधर परिसर नि